हरि नाम ध्यालो नाम धन कमालो भजन लिरिक्स

हरि नाम ध्यालो,
नाम धन कमालो,
कि दिन आखिरी अब,
करीब आ गया है,
जीवन को अपने सफल बनालो,
कि दिन आखिरी,
अब करीब आ गया है।bd।

तर्ज – ये माना मेरी जा।

जिसने गुरू का,
लिया है सहारा,
उसी को गुरू ने,
भव से है तारा..हाँ,
बड़े है निराले,
वो भाग्य वाले,
जो सतगुरू के,
करीब आ गया है।

हरि नाम ध्यालों,
नाम धन कमालो,
कि दिन आखिरी अब,
करीब आ गया है।bd।

न तन काम आए,
न धन काम आए,
यहाँ कि ये दौलत,
यही रह जाए,,हाँ,
चलता रहा जो,
राह गुरु की,
वो मँज़िल के अपनी,
करीब आ गया है।

हरि नाम ध्यालों,
नाम धन कमालो,
कि दिन आखिरी अब,
करीब आ गया है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बचपन है बीता,
आई जवानी,
समय है बहुत कम,
हरि भज प्राणी, हाँ..
गुरू की निशानी,
पड़ेगी लोटानी,
बुढ़ापा भी अब तो,
करीब आ गया है।

हरि नाम ध्यालों,
नाम धन कमालो,
कि दिन आखिरी अब,
करीब आ गया है।bd।

हरि नाम ध्यालो,
नाम धन कमालो,
कि दिन आखिरी अब,
करीब आ गया है,
जीवन को अपने सफल बनालो,
कि दिन आखिरी,
अब करीब आ गया है।bd।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com